an>

Title: Need to establish an Agricultural University at Kaushambai, Uttar Pradesh.

श्री विनोद कुमार सोनकर **(कौशाम्बी) :** अध्यक्ष महोदया, मैं गंगा-जमुना की अंतर्वेदी में स्थित कौशाम्बी जनपद से चुनकर आया हूं। यह क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने इस क्षेत्र की विशेषता को देखते हुए 4 अप्रैल, 1997 को एक अलग जनपद इलाहाबाद से काटकर बनाया जिसमें कौशाम्बी जनपद की तीन तहसील - सिरातु, मंजनपुर, चैल है और प्रतापगढ़ की कुंडा तहसील है। जब इन्हें इलाहाबाद जनपद से काटा गया तो इनके हिस्से में न कोई विश्वविद्यालय है, न मेडिकल कॉलेज है और न ही कोई इंजीनियरिंग कॉलेज है। यहां की जनता पूरी तरह से कृषि पर आधारित है। इस विषय में भारत सरकार की मौनीटरिंग रिपोर्ट 2014-15 का भी संदर्भ लिया जा सकता है जिसमें इन्होंने इस क्षेत्र को अति पिछड़ा घोषित किया है। यहां शैक्षिक व्यवस्था कोई नहीं है। इसलिए मैं भारत सरकार के कृषि मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि कम से कम एक कृषि विश्वविद्यालय कौशाम्बी जनपद में खोलने की कृपा करें जिससे वहां जो लोग कृषि पर निर्भर हैं, उन्हें शिक्षित किया जा सके और आधुनिक खेती से जोड़ा जा सके। उस जनपद में पलायन है, बेरोजगारी है, क्योंकि वह जनपद पूरी तरह से उद्योगविहीन है, वहां एक भी उद्योग नहीं है। मेरा कृषि मंत्री जी से निवेदन है कि वहां एक सरकारी कृषि विश्वविद्यालय खोलने की कृपा करें जिससे उस क्षेत्र का समुचित विकास किया जा सके।